

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 384]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 24, 1972/भाद्र 2, 1894

No. 384]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 24, 1972/BHADRA 2, 1894

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

*New Delhi, the 24th August 1972*

**S.O. 563(E).**—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of making an inquiry into the definite matters of public importance hereinafter specified;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby appoints a Commission of Inquiry, consisting of Shri Vyas Dev Misra, a Judge, High Court of Delhi, to inquire into the following matters, namely:—

- (a) the course of disturbances which took place at Shahdara and elsewhere in Delhi from the 19th August, 1972, to 22nd August, 1972, following the alleged murder of Shri Onkar Singh, on the 18th August, 1972;
- (b) adequacy of administrative measures taken to prevent and deal with the said disturbances;
- (c) justification for the use of force by the police and the extent thereof;
- (d) allegations of excesses, if any, by the police; and
- (e) any other matter having relevance to the above.

The Commission shall make every endeavour to complete its inquiry and make its report to the Central Government by the 31st December, 1972;

And whereas the Central Government is of opinion that having regard to the nature of inquiry to be made and other circumstances of the case, all the provisions of sub-section (2), sub-section (3), sub-section (4) and sub-section (5) of section 5 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952) should be made applicable to the said Commission, the Central Government hereby directs under sub-section (1) of the said section 5 that all the provisions aforesaid shall apply to the said Commission.

[No. 31/6/72-Poll.I.]

T. C. A. SRINIVASAVARDAN, Jt. Secy

## गृह मंत्रालय

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1972

का० अा० 563(अ).—यतः केन्द्रीय सरकार का मत है कि सार्वजनिक महत्व के निश्चित मामलों की, जिनका उल्लेख आगे किया जा रहा है, जांच के उद्देश्य से एक जांच आयोग नियुक्त करना आवश्यक है ;

अतः अब, जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक जांच आयोग नियुक्त करती है जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री व्यास देव मिश्र होंगे जो निम्नलिखित मामलों की जांच करेगा, अर्थात् :—

- (क) 18 अगस्त को श्री भोकार सिंह की तथाकथित हत्या के बाव 19 अगस्त, 1972 से 22 अगस्त 1972 तक शाहदरा और दिल्ली में अन्वय हुए दंगों का घटनाक्रम ;
- (ख) उक्त दंगों को रोकने तथा उनके बारे में कार्रवाई के लिये किये गए प्रशासनिक उपायों की उपयुक्तता ;
- (ग) पुलिस द्वारा बल प्रयोग तथा उसकी प्रयुक्त मात्रा का औचित्य ;
- (घ) पुलिस द्वारा की गई ज्यादतियों के आरोप यदि कोई हों ; और
- (ङ) अन्य कोई मामला जिसका उक्त बातों से सम्बन्ध हो ।

यह आयोग पूरा प्रयत्न करेगा कि इस जांच को पूरी करके 31 दिसम्बर, 1972 तक केन्द्रीय सरकार के समक्ष अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दे ।

तथा यतः केन्द्रीय सरकार का मत है कि इस बारे में की जाने वाली जांच की प्रकृति को तथा मामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 5 की उपधारा (2), उपधारा (3), उपधारा (4) और उपधारा (5) को सभी व्यवस्थाएं उक्त आयोग पर लागू की जानी चाहिए, और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा (5) की उपधारा (1) के अधीन एतद्वारा निवेश देती है कि पूर्वोक्त सभी व्यवस्थाएं उक्त आयोग पर लागू होंगी ।

[सं० 31/6/72-गैल-1]

टी० सी० ए० श्रीनिवासवरदन, संयुक्त सचिव ।